

O-433

B. A. B. Ed. (First Semester) Examination,
Jan. 2019

SANSKRIT

(वेद, व्याकरण एवं भाषा नैपुण्य)

Time Allowed : Three hours

Maximum Marks : 75

नोट : सभी दोनों खण्डों के प्रश्न निर्देशानुसार हल करें। अंकों का विभाजन खण्डों के साथ दिया जा रहा है।

खण्ड-'अ'

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

5×5=25

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। शब्द सीमा 150।

O-433

PTO

1. ऋग्वेद संहिता के विभाजन-क्रम को समझाइये।

अथवा

सामवेद का परिचय दीजिए।

2. अग्निसूक्त के आधार पर अग्निदेवता का स्वरूप बताइये।

अथवा

अथर्ववेद के विजयसूक्त का सार लिखिए।

3. राम अथवा आत्मन् शब्द के सभी विभक्तियों के रूप लिखिए।

अथवा

पठ् धातु के लोट् लकार के समस्त रूप लिखिए।

4. प्रत्याहार किसे कहते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

अथवा

संज्ञाप्रकरण के आधार पर वर्णों का स्थान-निरूपण कीजिए।

5. किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

(i) बालक विद्यालय जाता है।

(ii) वे दोनों लिखते हैं।

(iii) वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।

- (iv) गुरु को नमस्कार।
- (v) विद्यालय के चारों ओर वृक्ष हैं।
- (vi) नदी में स्वच्छ जल है।
- (vii) वे सब कहाँ जाते हैं?
- (viii) बालिका आसन पर बैठी है।

अथवा

किन्हीं पाँच वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

- (i) हरिः सेव्यते।
- (ii) ग्राममजां नयति।
- (iii) रामेण बाणेन हतो बाली।
- (iv) हरये नमः।
- (v) रामः दशरथस्य पुत्रः आसीत्।
- (vi) मोक्षे इच्छास्ति।
- (vii) मध्यं संस्कृतं रोचते।

खण्ड-'स'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

5×10=50

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। शब्द सीमा 800 शब्द।

6. यजुर्वेद संहिता का विस्तृत परिचय दीजिए।

अथवा

अथर्ववेद का विषयवस्तु का विवेचन कीजिए।

7. सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए—

अग्निः पूर्वेभिर्ऋषिभिरीड्यो नूतनैरुत।

स देवाँ एह वक्षति ॥

अथवा

विद्मा शरस्य पितरं पर्जन्यं भूरिधायसम्।

विद्मो ष्वस्य मातरं पृथिवीं भूरिवर्षसम् ॥

8. (अ) किन्हीं दो शब्दों के सभी विभक्तियों के रूप लिखिए—

- (i) कवि
- (ii) सर्व (पुँ)
- (iii) अस्मद्
- (iv) युष्मद्

(ब) लट् लकार में किन्हीं दो धातुओं के समस्त रूप लिखिए—

- (i) भू
- (ii) अस्
- (iii) कृ
- (iv) चुर्

9. किन्हीं दो सूत्रों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए—

- (i) आदिरन्त्येन सहेता
- (ii) सुप्तिङन्तं पदम्
- (iii) अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः
- (iv) चतुर्थी सम्प्रदाने

10. किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिये—

- (i) कविकुलगुरुः कालिदासः
- (ii) विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्
- (iii) भारतीय संस्कृतिः
- (iv) संस्कृतं नाम दैवी वाक्
- (v) परोपकारः
- (vi) वैदिक वाङ्मयम्

<http://www.ujjainstudy.com>

Whatsapp @ 9300930012

Your old paper & get 10/-

पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से